गैंगवार की प्लानिंग बना रहे कृपाल जघीना गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार

अजमेर जेल में बंद कृपाल जघीना गैंग के लोग भरतपुर में गैंगवार की बना रहे थे प्लानिंग

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में एक बार फिर से कृपाल जघीना गैंग के सदस्य गैंगवार करने की फिराक में थे, उससे पहले पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार लिया है। कृपाल जघीना गैंग के बदमाश कुलदीप जघीना गैंग के तीन लोगों को टारगेट कर रहे थे। इस वारदात को अंजाम देने वाला मास्टरमाइंड कृपाल का भतीजा पंकज अजमेर जेल से ही तीन लोगों की रेकी करवा रहा था। इस गैंगवार की प्लानिंग में अभी तक 11 आरोपियों के नाम सामने आये हैं, जिसमें से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा पहली बार अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से मोबाइल और सिम बरामद किए गए हैं।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि, हाल ही में भरतपुर साइबर सेल को पता लगा कि, अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद कृपाल जघीना गैंग के लोगों द्वारा भरतपुर में गैंगवार की प्लानिंग की जा रही है। इसके बारे में जयपुर एटीएस से हमें कुछ इनपुट मिले थे। उसके आधार पर कोतवाली थाने में एक मामला दर्ज किया गया। जिसके बाद जांच की गई। इस मामले में अभी तक पांच गिरफ्तारी की जा चुकी है। गैंगवार की प्लानिंग करने वाला मुख्य आरोपी पंकज जघीना, लोकेंद्र सहित हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल उपलब्ध करवाने वाला आरोपी जहांगीर उर्फ डोरेमोन और दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में अभी और भी नाम सामने आ रहे हैं। पुलिस अभी इस मामले को लेकर जांच कर रही है। अभी और भी आरोपी हैं, जो अजमेर जेल में बंद हैं, उनसे भी पूछताछ की जाएगी। पंकज को 13 दिन की पुलिस रिमांड ले ली गई है। पंकज की अभी और भी पुलिस रिमांड ली जाएगी।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि, पहली बार ऐसा हुआ है कि, अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से पंकज और जहांगीर की निशानदेही पर मोबाइल और सिम बरामद किए गए हैं। हथियारों की व्यवस्था और रेकी करने वाला आरोपी रोहित हथैनी अभी फरार है उसकी तलाश की जा रही है और भी बदमाश जो रेकी में शामिल थे, उन पर पुलिस नजर बनाए हुए हैं। उनकी तलाश की जा रही है। कुछ और भी स्थानीय लोगों के नाम पूछताछ में सामने आए हैं, जो दोनों गैंग से संबंध रखते हैं। कृपाल जघीना की गैंग क्षेत्र में अपना दबदबा बनाये रखने के लिए इस घटना को अंजाम देना चाहती थी।

गौरतलब है कि 4 सितंबर 2022 को रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य कृपाल सिंह जघीना की हत्या कुलदीप ने अपनी गैंग के साथ मिलकर की थी। इसके बाद 12 जुलाई 2023 को भरतपुर के अमोली टोल प्लाजा पर रोडवेज बस से पुलिस अभिरक्षा में पेशी पर लाए जा रहे कुलदीप जघीना की, कृपाल जघीना की गैंग ने अंधाधुंध फायरिंग कर हत्या कर दी। तब से दोनों गैंग के बदमाश जेल में बंद हैं। कृपाल जघीना का भतीजा पंकज अजमेर जेल में बंद है। वह अपने साथियों के साथ कुलदीप गैंग के लोगों की हत्या की साजिश बना रहा था। पंकज जेल में से ही लोगों से संपर्क कर रहा था और, कुलदीप के साथियों की रेकी करवा रहा था।

भरतपुर में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- कृपाल जघीना गैंग के बदमाश कुलदीप जघीना गैंग के तीन लोगों को टारगेट कर रहे थे
- 'हथियारों की व्यवस्था और रेकी करने वाला आरोपी रोहित हथैनी अभी फरार है, उसकी तलाश की जा रही है'
- अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल से मोबाइल और सिम बरामद किए गए, पुलिस ने जांच शुरु की

शादी के दूसरे दिन ही दुल्हन ने सातवीं मंजिल से छलांग लगाई, मौत

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के किशिच्यनगंज थाना क्षेत्र में दुल्हन ने बिल्डिंग की 7वीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवती की एक दिन पहले सात जुलाई को ही शादी हुई थी। घटना सोमवार दोपहर 3.30 बजे की बीके कौल नगर स्थित गोकुलधाम अपार्टमेंट की है। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के मुताबिक कोमल शर्मा (32) पत्नी रौनक बंसल ने सुसाइड किया है। युवती जयपुर की रहने वाली थी। उसकी अजमेर के बीके कौल नगर गोकुलधाम अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर-602 निवासी रौनक बंसल से रविवार को शादी हुई थी। कोमल और रौनक की इंटर कास्ट अरेंज मैरिज थी, रौनक के साड़ियों का बिजनेस है।

पुलिस ने बताया सोमवार सुबह चार बजे फेरे हुए थे। सुबह सात बजे दूल्हा-दुल्हन घर पहुंचे थे। इसके बाद घर में दुल्हन के आने पर रस्में चल रही थीं। इस दौरान दुल्हन को घबराहट हुई। वह अपने पति के साथ छत पर चली गई। पति को बोली कि बैठने के लिए एक कुर्सी लेकर आ जाओ। पति छत पर दूसरी तरफ रखी कुर्सी को लेने के लिए गया। इस दौरान उसने छलांग दी। पति दौड़ता हुआ नीचे भागा और परिवार के साथ हॉस्पिटल लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी पर अजमेर उत्तर डीएसपी रुद्रप्रकाश शर्मा हॉस्पिटल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस सुसाइड के कारणों को लेकर जांच में जुटी है। युवती की पीहर जयपुर (वैशाली नगर) में है। उसके परिजन अजमेर पहुंचे। युवती के घरवालों का प्रॉपर्टी का कारोबार है। आज शाम को भी ससुराल वालों की तरफ से प्रोग्राम था, जिसमें रिश्तेदार और अन्य मेहमान शामिल होने वाले थे।

- युवती का पीहर जयपुर (वैशाली नगर) में है

संगरिया में चार इंच बारिश हुई

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में मानसून की मेहरबानी से खेतों में खड़ी खरीफ फसलों में जान आ गई। अच्छी बारिश से फसलों में सिंचाई पानी की कमी दूर हुई है। वहीं वातावरण में गर्मी का असर कम हुआ है। सड़कों पर पानी जमा होने से राहगीरों को कुछ परेशानी भी हुई। जिले में हनुमानगढ़ तहसील क्षेत्र में 16, पीलीबंगा 40, संगरिया 97, टिब्बी 65, रावतसर में 2, नोहर में 78, भादरा में 71, पल्लू में 32 व गोलूवाला तहसील में 27 एमएम बारिश हुई। अच्छी बारिश से खरीफ फसलों को जीवनदान मिला है। जिले में बरसात के बाद खरीफ फसलों की बिजाई में और तेजी आने की संभावना है। अब किसान धान आदि फसलों की बिजाई कर सकेंगे। इसके अलावा बारानी क्षेत्रों में बरसात होने से यहां के किसान भी बिजाई में जुटेंगे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः– ननिको(द.)/जनस्वा./2024/6312–23 दिनांकः– 05.07.2024

: ई-निविदा सूचना :

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इण्डिया द्वारा मान्यता प्राप्त NGOs से Animal Birth Control Programme in stray dogs के कार्य हेतु ऑनलाईन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। इस कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट http://urban.rajasthan.gov.in.nnks, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अन्य जानकारी हेतु नगर निगम, कोटा दक्षिण के प्रशासनिक भवन में कमरा नं0 239 में सम्पर्क कर सकते है।

अनुमानित लागत 50.00 लाख

UBN No.–DLB2425SLOB02561

राज.संवाद/सी/24/1904

आयुक्त
नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बांदीकुई (दौसा)

Email: bandikui.jaipur@gmail.com

क्रमांक :– न.पा.बा./2024/1063–1065 दिनांक :– 05.07.2024

BID सूचना

समस्त पंजीकृत संवेदक/सामाजिक संस्थाओ को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका बांदीकुई NIB Code. DLB2425A0791 तथा UBN No. DLB2425WSRC02541, DLB2425WSRC02544, DLB2425WSRC02547, DLB2425WSRC02548, कार्य करवाना चाहती है अतः इच्छुक व्यक्ति नियत दिनांक 16.07.2024 को सायः 6:00 बजे तक अपनी दर ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते है। निविदा आनलाईन बेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in http://sppp..goverment.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा से संबंधित शर्ते उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है ।

राज.संवाद/सी/24/1857

अधिशाषी अधिकारी

नगर विकास न्यास, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner(Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांकः–नविन्या/बीका/ 2024–25/7073 दिनांक :– 05.07.2024

ई-बिड सूचना संख्या 01– II–2024–25

नगर विकास न्यास बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमन्त्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है। (UBN NO.: ITB2425WSOB00002-06)

राज.संवाद/सी/24/1840

अधिशाषी अभियन्ता–II

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

Phone No- (07459) 220016 Email-mbramganjmandi@rajasthan.gov.in

क्रमांक : न.पा.रा./2024/1101–1102 दिनांक 05.07.2024

ई-निविदा सूचना 02/2024-25

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई–निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 05.07.2024 से 15.07.2024 एवं अपलोड करने की दिनांक 05.07.2024 से 15.07.2024 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 16.07.2024 समय प्रात : 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 16.07.2024 समय सांय 4:00 बजे तक रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB –DLB2425A0810 UBN - DLB2425GLOB02588

राज.संवाद/सी/24/1908

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रामगंजमण्डी

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर

111, सहेली मार्ग, उदयपुर (राज.) पिन 313001 दूरभाष 0294-2415171
E-mail:- director.rscert@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- राशैअप्र-उदय/लेखा/2024-25/183 दिनांक :- 05/07/2024

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से खुली बोली आमंत्रण सूचना संख्या 04/2024-25

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में मुद्रण मय कागज, बाइंडिंग, पैकिंग व वितरण, जिनकी अनुमानित लागत : 45.00 लाख है, हेतु दिनांक 15.07.2024 को 11.00 AM तक इच्छुक बोलीदाताओं से ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से बोली आमंत्रित की जाती है। बोली की विस्तृत शर्तें एवं बोली दस्तावेज http://sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली ई–प्रोक्यारेमेंट साईट के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी।

NIB code SCE2425A0004
UBN is: SCE2425SLRC00006

राज.संवाद/सी/24/1874

निदेशक,
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

पूर्व विधायक अमृता मेघवाल ने तलाक के बाद ससुराल में जबरदस्ती घुसने का प्रयास किया

इस दौरान ससुराल वालों के साथ अमृता मेघवाल के बीच हाथापाई हुई, पुलिस थाना जालोर में दोनों पक्षो ने मामला दर्ज करवाया

जालोर, (कासं)। जालोर की पूर्व विधायक अमृता मेघवाल ने अपने पति बाबूलाल मेघवाल से वैवाहिक सम्बंध विच्छेद (तलाक) होने के करीब सवा साल बाद रविवार शाम को जालोर में ताला तोड़कर बंद घर में घुसने का प्रयास किया। इस दौरान ससुराल वालों के साथ पूर्व विधायक अमृता मेघवाल के बीच हाथापाई हुई। इसके बाद पुलिस थाना जालोर में दोनों पक्षों ने मामला दर्ज करवाया। वहीं पूर्व विधायक की तबीयत खराब होने पर राजकीय चिकित्सालय जालोर में भर्ती करवाया है।

जानकारी के अनुसार जालोर की पूर्व विधायक व उसके पति के बीच मनमुटाव होने के बाद नौबत तलाक तक होने के बाद दोनों काफी लम्बे समय से एक-दूसरे से अलग रह रहे थे। रविवार को पूर्व विधायक जालोर पहुंची तथा अपने पति बाबूलाल के बंद घर का ताला तोड़कर प्रवेश करने का प्रयास किया। ताला तोड़ने की सूचना पर बाबूलाल के पड़ौस में ही उसके भाई का घर है, अमृता मेघवाल के काकाई ससुर शिवलाल व ससुर हेमाराम ने मना किया तो आपस में कहासुनी भी हुई। वहीं घर के बार लगे सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि पूर्व विधायक अमृता मेघवाल किसी बुजुर्ग को धक्का मारकर गाड़ी में बैठ रही है। घटना के समय बाबूलाल मेघवाल घर पर नहीं था। दोनों पक्षों की ओर से परस्पर मामला दर्ज करने को लेकर रिपोर्ट पुलिस थाना में दी है। वहीं घटना के बाद पूर्व विधायक अमृता मेघवाल पुलिस थाना पहुंचने पर उसकी वहा तबीयत खराब होने पर रात को ही अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने ससुराल पक्ष पर भी मानसिक रूप से परेशान करने सहित कई आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पूर्व विधायक अमृता मेघवाल की शादी जालोर जिले के नोरवा हाल रामदेव कॉलोनी जालोर निवासी एडवोकेट बाबूलाल मेघवाल पुत्र हेमाराम मेघवाल के साथ 21 अप्रैल 2008 को चाणोद (पाली) में हिन्दू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुई थी। अमृता को शुरू से ही राजनीति में रूचि होने पर शादी के बाद पति ने पूरा सहयोग दिया तथा वे जिला परिषद का चुनाव लड़कर जिला परिषद सदस्या बनी। पति बाबूलाल ने धीरे-धीरे अपनी पत्नि की साख पार्टी में जमा देने पर वर्ष 2013 में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अमृता मेघवाल को टिकट दिया तथा वे चुनाव जीतकर विधायक बनी। विधायक बनने पर दोनों पति-पत्नी राजनीति में पूरे सक्रिय रहे, लेकिन पार्टी में विरोध होने पर अगले चुनाव में उनका टिकट कट जाने पर दोनों के बीच विवाद बढ़ता चला गया। दोनों एक दूसरे पर राजनीतिक आरोप लगाने लगे।

अंत में 21 जनवरी 2019 को दोनों के बीच इतना विवाद हुआ कि मिलना भी बंद हो गया। करीब तीन साल बाद अंत में पति बाबूलाल ने पारिवारिक न्यायालय जालोर में तलाक के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया, जिसके बाद न्यायालय ने अमृता मेघवाल को कई नोटिस भेजकर उपस्थित होने को कहा, लेकिन अमृता मेघवाल न्यायालय में उपस्थित नहीं हुईं, जिस पर पारिवारिक न्यायालय ने 4 मई 2023 को तलाक का फैसला बाबूलाल के पक्ष में दे दिया। अमृता मेघवाल इस अवधि अपनी बेटी के साथ जयपुर व दिल्ली रहने लगी। अमृता मेघवाल व बाबूलाल के बीच दूरियां बढ़ने के बाद अमृता स्वयं कई बार जालोर आईं, लेकिन रामदेव कॉलोनी स्थित बाबूलाल के घर नहीं जाती थी। इस घर में बाबूलाल अकेले ही रहते हैं और रविवार को वे बाहर थे घर बंद था।

इस घर के पड़ोस में बाबूलाल के भाई का भी घर है, जहां उसके पिता व रिश्तेदार रहते हैं। बताया जा रहा है कि रविवार की शाम को अचानक दो अन्य औरतों के साथ अमृता मेघवाल रामदेव कॉलोनी के घर पहुंची और उसका दरवाजा खोलने का प्रयास किया। इसकी खटखट की आवाज सुनकर काकाई ससुर शिवलाल व ससुर हेमाराम ने इसका घर का ताला तोड़ने का विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी भी हुई। अब दोनों पक्षों की ओर से थाने में रिपोर्ट दी गई है। कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- पूर्व विधायक अमृता मेघवाल की तबीयत खराब होने पर राजकीय चिकित्सालय जालोर में भर्ती कराया

खेत में पाकिस्तानी गुब्बारा मिला

रावला मंडी/अनूपगढ़, (निसं)। क्षेत्र के चक 22 आरजेडी की रोही में स्थित एक खेत में एक पाकिस्तानी गुब्बारा मिला। खेत मालिक दुलीचन्द के काश्तकार रामलाल ने चक के हेतराम शर्मा को खेत में गुब्बारा होने की जानकारी दी, जिसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पहुंचे और गुब्बारे को कब्जे में लेकर जांच में जुट गए। गुब्बारा हरे और सफेद रंग का हवाई जहाज जैसा था और उस पर पाकिस्तान लिखा हुआ था।

मौके पर पहुंचे कार्यवाहक थाना अधिकारी मोहनलाल मीणा ने बताया कि हवाई जहाज जैसे दिखने वाले गुब्बारे पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस व एसजीए लिखा हुआ है। यह 22 आरजेडी की रोही में मिला है जो भारत-पाकिस्तान सरहद से करीब 64 किलोमीटर अंदर है। जांच के दौरान गुब्बारे के साथ कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई है। कई बार हवा के तेज प्रभाव के साथ इस तरह के गुब्बारे उडकर सीमा के पास आ जाते हैं, लेकिन सीमावर्ती इलाका होने के कारण हर एंगल से गुब्बारे की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि अगर वह इलाके में कोई भी संदिग्ध वस्तु जा किसी संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो इसकी सूचना सुरक्षा एजेंसी तथा पुलिस को दें।

सीआरपीएफ जवान ने खुदकुशी की

अजमेर, (कासं)। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी के मामले सामने आए हैं। गंज थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड स्थित सीआरपीएफ जीसी-2 के परिसर में बने क्वार्टर में एक जवान ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली तो वहीं क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में रहने वाले पेंटर का कार्य करने वाले युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

गंज थाना क्षेत्र के फॉयसागर रोड चामुंडा माता मंदिर के पास स्थित सीआरपीएफ (जीसी-2) में कार्यरत मणिपुर इंफाल (असम) हाल जीसी-2 निवासी अमरजीत सिंह ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते मिले ही गंज थाना पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल पहुंचाया और मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजन को सौंप दिया। पोस्टमार्टम की कार्यवाही के दौरान अस्पताल में सीआरपीएफ के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं मामले में सीआरपीएफ अधिकारी और परिजन ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

इसी प्रकार क्लॉक टावर थाना क्षेत्र के पाल बीसला निवासी पेंटर का कार्य करने वाले मनीष नामक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। क्लॉक टावर पुलिस शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल से मृतक का पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस को मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION BEAWAR**

NO. 1186/1206 Date- 08.07.2024

NIB NO.- PWD2425A0301 TO 306
Revised Notice Inviting Bid No. 01/2024-25

Bids for 06 No. Works are invited from interested bidders uto 6.00 PM Thuresday 20 June, 2024. Other particular of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:/sppp.raj.nic.in) of the State, and DIPR departmental website. The aproximate value of the procurement is Rs. 199.76 Lacs.

UBIN NO.	Name of work	Amount
PWD2425 WSLB01091	Construction of Non patchable/Missing Link in various roads in Beawar District (package No. RJ-36-05/ML-NP/2024-25/Beawar)	177.17
PWD2425 WSLB01092	Road Repair work during Rainy Season under Jurisdiction of sub Dn. Masuda	5.00
PWD2425 WSLB01094	Road Repair work during Rainy Season under Jurisdiction of sub Dn. Badnor	2.99
PWD2425 WSLB01099	Road Repair work during Rainy Season under Jurisdiction of sub Dn. Beawar	4.99
PWD2425 WSLB01100	Various Maintenance works during Flood and Mansoon Season in Block Raipur	4.61
PWD2425 WSLB01101	Various Maintenance works during Flood and Mansoon Season in Block Jaitaran	5.00

(V.S. Shekhawar)
Executive engineer
PWD Division Beawar

DIPR/C/5708/2024

राजस्थान में विलुप्त हो रहे गोडावण को बचाने की मुहिम शुरू

गोडावण को बचाने के लिए वन विभाग के स्टॉफ ने अपना शेड्यूल तक बदल लिया

पोकरण, (निसं)। राजस्थान में विलुप्त हो रहे गोडावण को बचाने में मुहिम शुरू हो गई है। इनके लिए 8 करोड़ की लागत से पिंजरा तैयार किया जा रहा है, ताकि ये लंबे समय तक जीवित रह सके। इतना ही नहीं जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क व गोमट रामदेवरा के बीच वन विभाग के स्टॉफ ने अपना शेड्यूल तक बदल लिया। इसी का नतीजा ये भी रहा कि धीरे-धीरे इनका कुनबा बढ़ रहा है और इनकी संख्या 40 हो गई है।

रामदेवरा में वन विभाग में 19 गोडावण होने का दावा किया जा रहा है कि इस महीने दो नए गोडावण का भी जन्म होने वाला है। पिंजरे की लागत करीब 8 करोड़ रूपए होगी। यह 150 से 200 मीटर लंबा, करीब सौ मीटर चौड़ा और लगभग 15 मीटर ऊंचा होगा। जिससे पिंजरे में गोडावण आसानी से उड़ान भर सके और नेचर को करीब से देख सके। वहीं पिंजरे में उन्हीं गोडावण को रखा जाएगा, जिन्हें जंगल में छोड़ा जाना तय होगा। इनमें शुरुआती प्रोग्राम के तहत फाउंडेशन स्टॉक को रखा जाएगा, जिसमें 15 मादा और 5 नर गोडावण शामिल होने की संभावना है। वहीं पिंजरे में जंगल फ्रेडली माहौल तैयार किया जाएगा। इसके लिए उबारा फाउंडेशन, भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून और राजस्थान सरकार के वन विभाग के एक्सपर्ट्स की ओर से ट्रेनिंग दी जाएगी। हालांकि पिंजरे को लेकर डिजाइन फाइनल नहीं है, जिसके आगामी चंद दिनों में फाइनल होने की संभावना है।

जैसलमेर में फिलहाल 2 सेंटर है। सम व रामदेवरा में इनमें 33 वेटेरनरी डॉक्टर्स की टीम के अलावा 15 रिसर्चर्स है। करीब 30 सपोर्टिंग स्टाफ है। इनके अलावा राजस्थान वन विभाग की टीम अलग है, जो इन स्टाफ के साथ दिन-रात कॉर्डिनेट करके गोडावण की देखभाल और उसकी सीसीटीवी कैमरा से 24 घंटे सुरक्षा व निगरानी करती है। केंद्र एवं राज्य सरकार के वन विभाग एवं पर्यावरण विभाग द्वारा संयुक्त तत्वावधान में गोडावण को बचाने में लगे हुए हैं। वहीं मेडिकल टीम की ओर से गोडावण का इंसानों की जैसे ही ब्लड सैंपल लिया जा रहा है और बीमार होने अथवा उसके द्वारा हरकत कम करने पर इंसानों की तरह ही देखभाल की जाती है। इसी कारण गोडावण और टीम में लगातार बॉन्डिंग बढ़ती जा रही है।

गोडावण ब्रीडिंग सेंटर के डॉक्टर विपुल विश्नोई ने बताया कि हमने हमारा शेड्यूल गोडावण के अनुरूप बना लिया है। 2019 में डीएनपी की शुरुआत हुई। हमारे लिए गोडावण के चूजों या फिर उसके अंडों को तलाशना बड़ी चुनौती थी, क्योंकि यह जमीन पर घोंसला बनाकर अंडे देते हैं। इसके लिए हमें धीरे-धीरे सफलता मिलना शुरू हुई। हम अंडों और छोटे चूजों को जंगली जानवर और बड़े पक्षियों से बचाकर सेंटर पर लाते और उन्हें एक निश्चित अनुकूल तापमान में रखते। जिससे अंडों में से 10 से 15 दिनों में चूजा बाहर आता। रामदेवरा क्षेत्र के वन विभाग में 19 व सम क्षेत्र में 21 गोडावण सुरक्षित भू भाग लगभग 800 बीघा में विचरण करते हैं, उसके लिए हम ही मां की भूमिका में होते और उसकी फिडिंग करते। यह बॉन्ड हम कंटीन्यू करते, जिससे उसे अपनापन लगे और बॉन्डिंग बनी रहे। चूजों को इंटेंसिव फीडिंग करते और हाई प्रोटीन डाइट को मेन्यू में शामिल करते हैं, जिससे उसका विकास अच्छे से हो।

- आठ करोड़ रुपये की लागत से पिंजरा तैयार किया जा रहा है

पोकरण क्षेत्र में पिंजरे में गोडावण।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) पूगल रोड़ बीकानेर

क्रमांक :- 8696419 दिनांक :- 05/07/2024

ई-बोली आमंत्रण सूचना 03/2024-25

कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज)बीकानेर द्वारा निम्नांकित व्यवस्थाओं/सेवाओं के संचालन के लिए उपापन ठेका पद्धति द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अनुभवी फर्मो/ठेकेदारों/सद्भावी व्यवहारियों से सुरक्षा व्यवस्था ठेका हेतु ई–टेण्डरिंग के अन्तर्गत ऑनलाईन बोली आमंत्रण सम्बन्धित विवरण एवं शर्तो को वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनु. राशि (लाख में)	धरोहर राशि रु.	RISL फीस चालान राशि	निविदा फार्म शुल्क रु.
1.	मुख्य मण्डी प्रांगण में सुरक्षा व्यवस्था	20.00	40000	1000	1000

निविदा फार्म प्राप्ति की अंतिम तिथि	दिनांक 24.07.2024 प्रातः 10.00 बजे तक
निविदा फार्म ऑनलाईन भरने की अन्तिम तिथि	दिनांक 24.07.2024 प्रातः 10.00 बजे तक
निविदा भौतिक रूप से कार्यालय में प्रस्तुत करने अन्तिम तिथि(डी.डी./चालान/मूल स्टाम्प सहित)	दिनांक 24.07.2024 दोपहर 01.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 24.07.2024 दोपहर 04.00 बजे से

नोट :– कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) पूगल रोड़, बीकानेर के मुख्य मण्डी प्रांगण में सुरक्षा व्यवस्था मद हेतु रजिस्टर्ड फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट (eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑनलाईन निविदाऐं आमत्रित की जाती है। बोली सम्बन्धित नियम/शर्तें किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में प्राप्त कर सकतें है। बोली दस्तावेजों को राज्य उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in (UBN No. DAM2425SLOB00404) से भी देखा जा सकता है। तकनीकी बोली दस्तावेज के साथ बोली प्रपत्र शुल्क, प्रतिभूति राशि का डी.डी. एव ई–टेण्डरिंग के लिए ई प्रोसेसिंग शुल्क का चालान बोली जमा करने की निर्धारित दिनांक व समय तक कार्यालय में जमा करवाया जाना अनिवार्य है एवं देर से प्राप्त होने वाले दस्तावेजों/शुल्क को स्वीकार नहीं किया जावेगा। बोली प्रपत्र शुल्क एवं प्रतिभूति राशि के अभाव में ई–निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा।

UBN :- DAM2425SLOB00404

राज.संवाद/सी/24/1871

सचिव